केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

# सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

## सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

**रविवार, १ मार्च, २०२०** **समय : दोपहर २.०० से ५.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

**अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।**

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर ( गुण ) | प्राप्तांक |
|---|---|---|
| | १ (९) | |
| | २ (६) | |
| | ३ (८) | |
| | ४ (९) | |
| | ५ (५) | |
| | ६ (६) | |
| | ७ (८) | |
| | **विभाग-१, कुल गुण ( ५१ )** | |

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

**बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

**वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर**.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

**परीक्षक के हस्ताक्षर** .....

**परीक्षक की नोंध :-**

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर ( गुण ) | प्राप्तांक |
|---|---|---|
| | ८ (९) | |
| | ९ (५) | |
| | १० (९) | |
| | ११ (८) | |
| | १२ (४) | |
| | १३ (८) | |
| | १४ (६) | |
| | **विभाग-२, कुल गुण ( ४९ )** | |

**મોડરેશન વિભાગ માટે જ**

**ગુણ આંકડામાં** ☐

**શબ્દોમાં** .....

ચેકરનું નામ

## ☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द ( केन्सल ) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द ( केन्सल ) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द ( केन्सल ) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण ( पास ) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत ( फिसदी ) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - १ गुण - ९ | | नाम |
|---|---|---|---|

**प्रवीण - २**

## विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

**प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। ( कुल गुण : ९ )**

१. ''हमने तो किसी ऐसे पंथ के बारे में नहीं सुना।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''आज हमें प्रतीति हो चुकी है कि कल्याण तो मात्र आपके ही हाथों से होना है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''आप यह फानस शौचालय में रख आइए।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

**प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक ( संपूर्ण ) वाक्य में उत्तर लिखिए। ( कुल गुण : ६ )**

१. गुणातीतानंद स्वामी का वरताल में किसने अपमान किया था? गुण : १

.....

.....

२. गढ़डा में मूलजी और कृष्णजी ने क्या निर्णय किया? गुण : १

.....

.....

३. श्रीजीमहाराज ने जेठा मेर और उनकी पत्नी को समीप में बुलाए तब जेठा मेर ने क्या कहा? गुण : १

.....

.....

४. गढ़डा आए हुए राजाभाई को श्रीजीमहाराज ने क्या कहा? गुण : १

.....

.....

५. पुरुषोत्तम की तरह एक तथा अद्वितीय कौन है? गुण : १

.....

.....

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - २ गुण - ६ | | नाम |
|---|---|---|---|

६. अपने इष्टदेव की इच्छानुसार आचरण करनेवाला भक्त क्या कहलाता है? | गुण : १ | |

............................................................................................................

............................................................................................................

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। ( बारह पंक्तियों में ) ( कुल गुण : ८ )**

१. संप्रदाय के शास्त्र : गुणातीतानंद स्वामी का उपदेशामृत। **अथवा** २. ध्यानचिंतामणि

( ) ............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................

............................................................................................................ | गुण : ४ | |

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र – ३ गुण – ८ | | नाम |
|---|---|---|---|

३. अद्‌भुतानंद स्वामी। **अथवा** ४. बंधिया के डोसाभाई।

( ) ..........................................................................................................................................

..........................................................................................................................................

| गुण : ४ | |
|---|---|

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**प्र. ४ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए। ( बारह पंक्ति में ) ( कुल गुण : ९ )**

१. प्रकट ब्रह्मस्वरूप संत का मन-कर्म-वचन से संग करने से जीव ब्रह्मरूप हो जाते हैं।

२. अलैया खाचर मुक्तानंद स्वामी का मस्तक काटने को तैयार हो गए।

३. उका खाचर देर से आए फिर भी महाराज प्रसन्न हुए।

४. चित्रकेतु राजा ने करोड़ स्त्रियों का त्याग कर दिया।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| गुण : ३ | |
|---|---|

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - ४<br>गुण - ९ | | नाम |
|---|---|---|---|

गुण : ३

( )

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

| सिर्फ मोडरेशन<br>कार्यालय के लिए | प्र – ५<br>गुण – ५ | | नाम |
|---|---|---|---|

**प्र. ५** ‘कभी अपने आपको दु:खी....’ – **‘स्वामी की बात’ पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए। ( कुल गुण : ५ )**

| उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें |
|---|---|---|

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - ६ गुण - ६ | | नाम |
|---|---|---|---|

**प्र. ६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। ( कुल गुण : ६ )**

**विषय : सधवा स्त्रियों के विशेष धर्म**

१. स्वैरिणी, कामिनी, पुंश्चली स्त्रियों का प्रसंग न करें।

२. छोटे बच्चों के स्पर्श का दोष नहीं है।

३. देहदमन करके भगवान की प्रसन्नता का प्रयत्न करना चाहिए।

४. हमेशा शालीन वस्त्र धारण करने चाहिए।

५. देहनिर्वाह से अधिक संपत्ति हो तो ही दान करें, अन्यथा नहीं।

६. पति के प्रति कभी भी कटु वचन नहीं बोलने चाहिए।

७. पति दरिद्र हों फिर भी उसकी सेवा करनी चाहिए।

८. पिता अथवा पुत्र की निश्रा में ही जीवन बीताना चाहिए।

९. जहाँ स्त्री-पुरुष मर्यादा का उल्लंघन होता हो, नहीं खेलना चाहिए।

१०. दूसरे पुरुष के रूप, गुण और यौवन का बखान नहीं करना चाहिए।

११. धर्मिष्ठ स्त्रियों का ही संग रखना चाहिए।

१२. नाटक-सिनेमा में आसक्तिपूर्वक लगे रहने से अपने कर्तव्य में रूकावट पैदा होती है।

**( १ ) केवल सही क्रमांक :** | | | | | | | गुण : ३ | |

**( २ ) यथार्थ घटनाक्रम :** | | | | | | | गुण : ३ | |

**सूचना : ( १ ) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे।**
**( २ ) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।**

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - ७ गुण - ८ | | नाम |
|---|---|---|---|

**प्र. ७ निम्नलिखित जनमंगलस्तोत्रम्/कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। (कुल गुण : ८)**

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री तपःप्रियाय नमः .....

.....

.....

.....

.....

..... ॐ श्री स्वस्वरूपायचलस्थितये नमः। गुण : २

२. वहाला तारा उरमां विणगुण .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... छेलडा रे लोल। गुण : २

३. स्नेहातुरस्त्वथ .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... शरणं प्रपद्ये॥ गुण : २

४. मानापमान ..... स उच्यते॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - ८ गुण - ९ | | नाम | प्र - ९ गुण - ५ | | नाम |
|---|---|---|---|---|---|---|

## विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

**प्र. ८ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)**

१. ''आप हमारे स्वरूप की पूर्ण महिमा सबको समझाना।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''साधु के तीस लक्षण में से एक लक्षण आपने सिद्ध किया है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''हम तो बाजरे की सूखी रोटियों का चूरा करके उसे छाछ में मिलाकर खाते हैं।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

**प्र.९ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)**

१. उन्नीस संत कहाँ बीमार हो गए थे? गुण : १

.....

.....

२. भायात्मानंद स्वामी ने कौन-सी समस्या स्वामी के पास रखी? गुण : १

.....

.....

३. जीव कब ब्रह्मरूप हुए बिना नहीं रह सकता है? गुण : १

.....

.....

४. वरताल में पूर्णिमा की उत्सव सभाओं में कौन स्वामी के पास ही बातें करवाते थे? गुण : १

.....

.....

५. खंभात के नगर जन की बातें सुनकर स्वामी ने क्या कहा? गुण : १

.....

.....

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

**प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए। ( नौ पंक्ति में ) ( कुल गुण : ९ )**

१. मालजी सोनी ने स्वामी के स्वरूप का दृढ़ निश्चय किया।

२. महाराज के दर्शन की स्वामी की तीव्र ललक देखकर मुक्तानंद स्वामी आश्चर्यचकित हुए।

३. महाराज ने स्वामी को अपनी पाघ पहनाई खूब प्रेम बताया।

४. ब्रह्म और परब्रह्म का प्रथम मिलन पीपलाणा में हुआ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| गुण : ३ | |
|---|---|

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र – १० गुण – ९ | | नाम |
|---|---|---|---|

गुण : ३

( )

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। ( बारह पंक्तियों में ) ( कुल गुण : ८ )**

१. मुंजा सुरु सत्संगी बन गया २. ऊँड नदी की लीलाएँ ३. आज्ञा धारक

( ) ......................................................................................................

| गुण : ४ | |
|---|---|

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र – ११ गुण – ८ | | नाम |
|---|---|---|---|

( ) ........................................................................................................................................

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - १२ गुण - ४ | | नाम |
|---|---|---|---|

**प्र.१२ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए।**
**( बारह पंक्तियों में ) ( कुल गुण : ४ )**

१. तरणेतर के महंत का आश्चर्य　　२. कल्याण की गरज (सद्गुरु कौन?)

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

**भावार्थ :** .....

.....

.....

.....

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - १३ गुण - ८ | | नाम |
|---|---|---|---|

**प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही ( ✓ ) का निशान करें। ( कुल गुण : ८ )**

**सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।**

१. एकात्मभाव — गुण : २

(१) ☐ रोज इतनी भूख सहन करते हैं ?

(२) ☐ उनका पाँव दो पत्थरों के बीच फँस गया था

(३) ☐ आपने लोभी के घर भोजन किया है

(४) ☐ मेरा पाँव निकालिए वरना टूट जाएगा

२. प्रौढ़ प्रताप : गढ़डा मध्य : नौवा वचनामृत — गुण : २

(१) ☐ हमारा क्षत्रिय का धर्म है

(२) ☐ ये तो पुरुषोत्तम नारायण का टीका है

(३) ☐ यह दृढ़ता अपने आप तो कहाँ से हो सकती है ?

(४) ☐ यथार्थ तो मुझे आज ही समझ में आया।

३. बालचरित्र — गुण : २

(१) ☐ बृहस्पति के समान वक्ता बनेगा

(२) ☐ भागवत धर्म का प्रचार करेगा

(३) ☐ मैं भी साधु बनूँगा

(४) ☐ इस शरीर का क्या भरोसा

४. गुणातीतानंद स्वामी को महंत की नियुक्ति की तब महाराज ने क्या क्या दिया ? — गुण : २

(१) ☐ प्रसादी का थाल

(२) ☐ अपने वस्त्र प्रसाद के रूप में

(३) ☐ पाघ

(४) ☐ हार

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - १४ गुण - ६ | | नाम |
|---|---|---|---|

**प्र.१४ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। ( कुल गुण : ६ )**

**सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।**

१. **संतों को शिक्षावचन :** महाराज की आज्ञा से पार्षदों के मंडल सौराष्ट्र प्रांत में सत्संग प्रवर्तन के लिए विचरण करते थे। महाराज उनको उपदेश देते हुए कहते कि 'आपने जब वानप्रस्थाश्रम की दीक्षा ली, तब उसके वेश की लाज रखनी चाहिए।'

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **स्वामी के सत्संगी :** युवक का ऐसा प्रेम देखकर महाराज ने उनका सम्मान स्वीकार कर लिया, किन्तु कोठारी स्वामी को सूचना दे रखी कि इसमें से एक कागज भी कम नहीं होना चाहिए।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **हमारे तिलक :** स्वामी ने घरसभा में सब हरिभक्तों को इस शहर की मिट्टी के टुकड़े दिए। यह मिट्टी कुमकुम जैसी थी, इससे सबको स्वामी ने तिलक करने का आदेश दिया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **अंतिम लीला :** फिर कोठारी मठ आए। कीर्तन-चेष्टा का गान करके कोठारी पद्मासन आसन में आचार्य के सिंहासन के पास खंभे को टेककर बिराजमान हुए।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **गृहत्याग और दीक्षा :** फरमान मिलते ही सुंदरजी भक्त डांगरा जाने के लिए रवाना हुए। स्वामी जानते थे कि सुंदरजी भक्त अवश्य खेत जलाकर आएँगे।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **श्रेष्ठ वक्ता :** सबको षष्टाकार में एक साथ बिठाकर स्वामी स्वयं देखने लगे और स्वामी ने सभी से कहा, जिस प्रकार ये मुक्तानंद स्वामी भोजन करते हैं, उसी प्रकार आप सब भोजन करना सीखे!

उ. .....

.....

..... गुण : १

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**